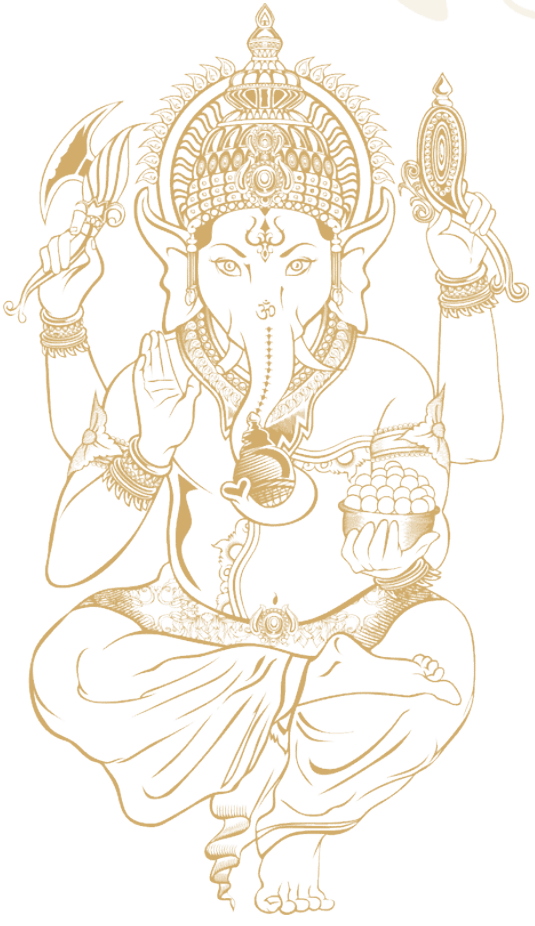

Mr. PULKIT PARASR

15 Jan 2012

07:55 AM

Ballabgarh

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119081510

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
15/01/2012	जन्म तिथि	**14/01/2025**
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:55:00	जन्म समय	15:52:12 घंटे
घटी 01:41:42	जन्म समय(घटी)	21:34:41 घटी
India	देश	India
Ballabgarh	स्थान	Ballabgarh
उत्तर 28:20:00	अक्षांश	28:20:00 उत्तर
पूर्व 77:19:00	रेखांश	77:19:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:44	स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:19	सूर्योदय	07:14:19
17:45:48	सूर्यास्त	17:45:41
24:01:48	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:26

मकर	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
हस्त	नक्षत्र	पुष्य
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
अतिगण्ड	योग	विष्कुम्भ
विष्टि	करण	कौलव
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	मेष
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मेष
13	गत/तत्कालिक वर्ष	14

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
श्रवण	1	10:22:09	मक		
उत्तराषाढ़ा	2	00:17:41	मक		
हस्त	2	13:33:05	कन्या		
उ०फाल्गुनी	1	28:34:43	सिंह		
पूर्वाषाढ़ा	1	16:04:56	धनु		
अश्विनी	3	07:01:56	मेष		
शतभिषा	1	07:00:52	कुंभ		
चित्रा	4	04:59:37	तुला		
ज्येष्ठा	1	19:26:32	वृश्चि	व	
रोहिणी	3	19:26:32	वृष	व	
उ०भाद्रपद	2	07:09:14	मीन		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	06:16:24	4	मृगशिरा
सूर्य			मक	00:17:41	2	उत्तराषाढ़ा
चंद्र			कर्क	06:26:39	1	पुष्य
मंगल	व		कर्क	02:40:28	4	पुनर्वसु
बुध			धनु	14:31:27	1	पूर्वाषाढ़ा
गुरु	व		वृष	17:48:54	3	रोहिणी
शुक्र			कुंभ	17:24:01	4	शतभिषा
शनि			कुंभ	21:26:48	1	पू०भाद्रपद
राहु	व		मीन	05:19:21	1	उ०भाद्रपद
केतु	व		कन्या	05:19:21	3	उ०फाल्गुनी
मु			कुंभ	10:22:09	2	शतभिषा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:26

लग्न-चलित

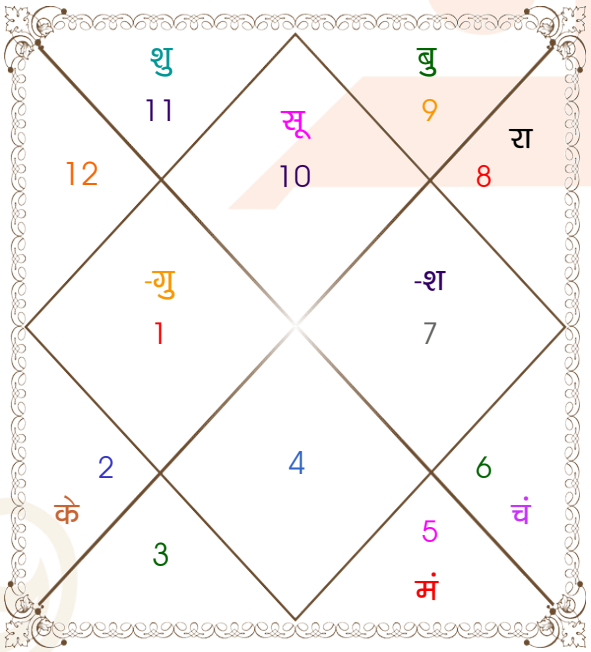

वर्ष लग्न कुंडली

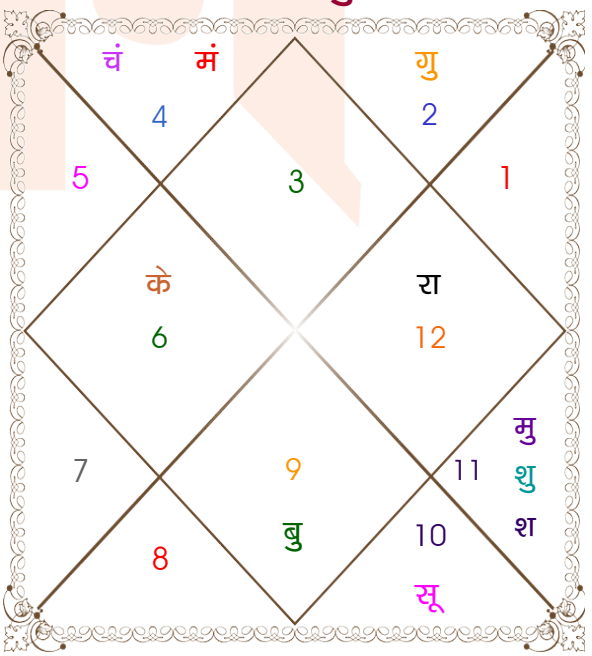

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - सूर्य - शनि		मंगल - सूर्य - बुध		मंगल - सूर्य - केतु		मंगल - सूर्य - शुक्र	
10/08/2025 13:20		30/08/2025 19:06		17/09/2025 21:45		25/09/2025 08:44	
30/08/2025 19:06		17/09/2025 21:45		25/09/2025 08:44		16/10/2025 16:05	
शनि	13/08/2025 18:14	बुध	02/09/2025 08:41	केतु	18/09/2025 08:12	शुक्र	28/09/2025 21:57
बुध	16/08/2025 15:04	केतु	03/09/2025 10:02	शुक्र	19/09/2025 14:01	सूर्य	29/09/2025 23:31
केतु	17/08/2025 19:24	शुक्र	06/09/2025 10:29	सूर्य	19/09/2025 22:58	चंद्र	01/10/2025 18:08
शुक्र	21/08/2025 04:22	सूर्य	07/09/2025 08:13	चंद्र	20/09/2025 13:53	मंगल	02/10/2025 23:58
सूर्य	22/08/2025 04:39	चंद्र	08/09/2025 20:26	मंगल	21/09/2025 00:20	राहु	06/10/2025 04:40
चंद्र	23/08/2025 21:08	मंगल	09/09/2025 21:47	राहु	22/09/2025 03:10	गुरु	09/10/2025 00:51
मंगल	25/08/2025 01:28	राहु	12/09/2025 14:59	गुरु	23/09/2025 03:02	शनि	12/10/2025 09:48
राहु	28/08/2025 02:20	गुरु	15/09/2025 00:56	शनि	24/09/2025 07:22	बुध	15/10/2025 10:15
गुरु	30/08/2025 19:06	शनि	17/09/2025 21:45	बुध	25/09/2025 08:44	केतु	16/10/2025 16:05

मंगल - चंद्र - चंद्र		मंगल - चंद्र - मंगल		मंगल - चंद्र - राहु		मंगल - चंद्र - गुरु	
16/10/2025 16:05		03/11/2025 10:12		15/11/2025 20:29		17/12/2025 19:31	
03/11/2025 10:12		15/11/2025 20:29		17/12/2025 19:31		15/01/2026 05:19	
चंद्र	18/10/2025 03:35	मंगल	04/11/2025 03:36	राहु	20/11/2025 15:33	गुरु	21/12/2025 14:25
मंगल	19/10/2025 04:27	राहु	06/11/2025 00:21	गुरु	24/11/2025 21:49	शनि	26/12/2025 02:22
राहु	21/10/2025 20:22	गुरु	07/11/2025 16:07	शनि	29/11/2025 23:16	बुध	30/12/2025 02:58
गुरु	24/10/2025 05:11	शनि	09/11/2025 15:21	बुध	04/12/2025 11:55	केतु	31/12/2025 18:44
शनि	27/10/2025 00:39	बुध	11/11/2025 09:36	केतु	06/12/2025 08:40	शुक्र	05/01/2026 12:22
बुध	29/10/2025 13:01	केतु	12/11/2025 03:00	शुक्र	11/12/2025 16:30	सूर्य	06/01/2026 22:27
केतु	30/10/2025 13:53	शुक्र	14/11/2025 04:43	सूर्य	13/12/2025 06:51	चंद्र	09/01/2026 07:16
शुक्र	02/11/2025 12:54	सूर्य	14/11/2025 19:38	चंद्र	15/12/2025 22:46	मंगल	10/01/2026 23:03
सूर्य	03/11/2025 10:12	चंद्र	15/11/2025 20:29	मंगल	17/12/2025 19:31	राहु	15/01/2026 05:19

मंगल - चंद्र - शनि		मंगल - चंद्र - बुध		मंगल - चंद्र - केतु		मंगल - चंद्र - शुक्र	
15/01/2026 05:19		17/02/2026 22:57		20/03/2026 03:22		01/04/2026 13:39	
17/02/2026 22:57		20/03/2026 03:22		01/04/2026 13:39		07/05/2026 01:54	
शनि	20/01/2026 13:30	बुध	22/02/2026 05:35	केतु	20/03/2026 20:46	शुक्र	07/04/2026 11:42
बुध	25/01/2026 08:12	केतु	23/02/2026 23:50	शुक्र	22/03/2026 22:29	सूर्य	09/04/2026 06:18
केतु	27/01/2026 07:26	शुक्र	01/03/2026 00:34	सूर्य	23/03/2026 13:24	चंद्र	12/04/2026 05:20
शुक्र	01/02/2026 22:23	सूर्य	02/03/2026 12:47	चंद्र	24/03/2026 14:15	मंगल	14/04/2026 07:03
सूर्य	03/02/2026 14:51	चंद्र	05/03/2026 01:10	मंगल	25/03/2026 07:39	राहु	19/04/2026 14:53
चंद्र	06/02/2026 10:20	मंगल	06/03/2026 19:25	राहु	27/03/2026 04:24	गुरु	24/04/2026 08:31
मंगल	08/02/2026 09:33	राहु	11/03/2026 08:05	गुरु	28/03/2026 20:10	शनि	29/04/2026 23:27
राहु	13/02/2026 11:00	गुरु	15/03/2026 08:40	शनि	30/03/2026 19:24	बुध	05/05/2026 00:11
गुरु	17/02/2026 22:57	शनि	20/03/2026 03:22	बुध	01/04/2026 13:39	केतु	07/05/2026 01:54

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।